अध्याय–चतुर्थ

परिणाम एवं व्याख्या

अध्याय - 4

4 0 परिणाम एव व्याख्या

अध्याय तीन मे प्रस्तुत अध्ययन की शोध विधि तथ्यो का सकलन एव उपकरण तथा साख्यिकी प्रक्रिया का वर्णन किया गया है । प्रस्तुत अध्याय मे प्रस्तुत अध्ययन का परिणाम एव उसकी व्याख्या की गई है ।

विभिन्न परिणामों को निम्नलिखित उपशीर्षकों मे प्रस्तुत किया गया है-

4.1 व्यक्तित्व विशेषक एव खोजपूर्ण प्रश्न कौशल विकास मे सह सबध - (Relationship between Personality Traits & Probing Question skill)

न्यादर्श के अतर्गत चयन की गई क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय भोपाल की बी.एस सी बी एड चतुर्थ वर्ष की छात्राध्यापिकाओ के व्यक्तित्व विशेषक एव खोजपूर्ण प्रश्न कौशल के बीच गुणक सहसबध तालिका 4 । मे दिया गया है ।"

तालिका 4 । से स्पष्ट होता है कि 16 पी एफ के कारको मे से ।। कारकों मे खोजपूर्ण प्र कौ के साथ धनात्मक सहसबध पाया गया । ये कारक है A,E,F,G,H,L,M,N,Q_1,Q_2,Q_3 इन कारकों का खोजपूर्ण प्रश्न कौशल के विकास से धनात्मक सहसबध पाया गया । शेष पाच कारकों B,C,I,O,Q4 से ऋणात्मक सहसबध पाया गया । यहा पर धनात्मक का अर्थ उच्च गणना का वर्णन तथा ऋणात्मक का अर्थ निम्न गणना का वर्णन है । जिसका वर्णन तालिका 3 मे दिया जा चुका है ।

इन गुणक सह सबध मे सार्थकता का स्तर ज्ञात करने पर स्पष्ट होता है कि कारक A+ (r=.30) L+ (r=.25), Q_1+(r=.35)Q_2+(r=.27) खोजपूर्ण प्रश्न कौशल विकास के साथ सार्थक एव धनात्मक रूप से सह सम्बन्धित है ।

तालिका - 4.1

छात्राध्यापिकाओ मे व्यक्तित्व विशेषक एव खोजपूर्ण प्रश्न कौशल विकास के मध्य गुणक सह-सबध

N = 50

व्यक्तित्व विशेषक	खोजपूर्ण प्रश्न कौशल
A	0.3043 **
B	- 0.0435
C	- 0.1548
E	0.0616
F	0.0231
G	0.1117
H	0.1607
I	- 0.0729
L	0.2599 *
M	0.0863
N	0.1072
O	- 0.0390
Q_1	0.3597 **
Q_2	0.2713 *
Q_3	0.0815
Q_4	-0.0261

Degree of Significance ** Significantal .01 level =.3
* Significantal .05 level =.2

अत स्पष्ट है कि वे छात्राध्यापिकाए जो उत्साही मिलनसार, खुशमिजाज, सरलता से दूसरों के साथ सामजस्य स्थापित करने वाली, प्रत्येक काम मे भाग लेने वाली एव सहयोग करने वाली (A+) तथा आत्म दुराग्रही, शकालु, ईर्ष्यालु, दूसरो पर गलती थोपने वाले (L+) तथा दानी, दयालु, पक्षपातहीन, स्वतत्र चिन्तन, विश्लेषणात्मक, परम्पराओं व रूढियों से अप्रभावित (Q_1+), आत्म-सतुष्ट, स्वय के निर्णय पर विश्वास करने वाली, उपाय कुशल एव आत्म निर्भर (Q_2+) है उनमे खोजपूर्ण प्रश्न कौशल का विकास ज्यादा पाया गया ।

ऋणात्मक स्तर पर कोई भी सार्थकता की विश्वसनीयता नही लिए हुए है ।

ब्रामले (1965) ने अपने अध्ययन मे फेक्टर A को धनात्मक रूप से शिक्षण प्रभावशीलता के साथ सहसबंधित पाया ।

दुबे (1984) ने अपने अध्ययन मे A को उच्च बुद्विवाले शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसंबंधित पाया परन्तु निम्नबुद्वि वाले शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के कौशल विकास के साथ A को ऋणात्मक रूप से सहसबंधित पाया । प्रस्तुत अध्ययन मे A को खोजपूर्ण प्रश्न कौशल के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया गया ।

कैटल एव एन्बर (1970) ने अपने अध्ययन मे L को कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया । गुप्ता (1977) ने भी L को कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया । मैकलिन (1968) ने अपने

अध्ययन मे L को छात्राध्यापिकाओं के कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया परन्तु छात्र अध्यापकों के कौशल विकास के साथ त्रणात्मक रूप से L को सहसबंधित पाया ।

दुबे (1984) ने L को छात्राध्यापिकाओं के कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया । प्रस्तुत अध्याय मे भी L को खोजपूर्ण प्रश्न कौशल के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया गया ।

मैकलिन (1968) ने अमेरिका मे अपने अध्ययन मे Q_1+ को कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया । ब्रिटेन मे एक अध्ययन मे (1966, 1968) मे माध्यमिक विद्यालयों मे Q_1 को कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया ।

कैटल (1970) ने लिखा है कि Q_1 धनात्मक रूप से सहसबंधित है एवजीक्यूटिव, यूनिवर्सिटी प्रोफेसर्स एव साइटीफिक रिसर्चस के साथ । एव त्रणात्मक रूप से Q_1 को सहसबंधित पाया नर्सेस, सेमी स्किल्ड वर्क ग्रुप के साथ । प्रस्तुत अध्ययन मे Q_1 को खोजपूर्ण प्रश्न कौशल के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया गया ।

मैकलिन (1968) मे Q_2 को कौशल विकास के साथ त्रणात्मक रूप से सहसबंधित पाया ।

दुबे ने अपने अध्ययन मे Q_2 को कौशल विकास के साथ त्रणात्मक रूप से सहसबंधित पाया । परन्तु मैकलिन ने अपने अध्ययन मे Q_2 को छात्र अध्यापकों के कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया । प्रस्तुत अध्ययन मे Q_2 को छात्राध्यापिकाओ के खोजपूर्ण कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबध पाया गया ।

इसका कारण यह हो सकता है कि मैकलिन व दुबे ने अपने अध्ययन मे सम्पूर्ण शिक्षण कौशलो को एक साथ लिया है । जबकि प्रस्तुत अध्ययन मे उपरोक्त सहसबध केवल एक कौशल (खोजपूर्णात्मक कौशल) के साथ ही प्रस्तुत किया है ।

तालिका - 4 2

छात्राध्यापिकाओं मे व्यक्तित्व विशेषक एव व्याख्या कौशल विकास के मध्य गुणक सह सबध

N = 50

व्यक्तित्व विशेषक	व्याख्या कौशल
A	0.0208
B	- 0.0362
C	- 0.0559
E	- 0.0331
F	- 0.1067
G	- 0.1495
H	0.0710
I	0.0356
L	0.0714
M	- 0.0407
N	- 0.1811
O	- 0.2042 *
Q1	- 0.0009
Q2	0.2004 *
Q3	- 0.1054
Q4	- 0.0589

* = .05 स्तर पर सार्थकता की विश्वसनीयता = 2

Regional Inst. LIBR. Bhopal

तालिका 4 2 से स्पष्ट होता है कि कारक A,H,I,L,Q2 व्याख्या कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित है तथा कारक B,C,E,F,G,M N,O,Q1,Q3,Q4 व्याख्या कौशल विकास के साथ त्रणात्मक रूप से सहसबंधित है ।

05 सार्थकता के स्तर के अनुसार कारक O- (20) त्रणात्मक रूप से व्याख्या कौशल के विकास के साथ सहसबंधित है तथा कारक Q2+(.20)धनात्मक रूप से व्याख्या कौशल के विकास के साथ सहसबंधित है ।

अत स्पष्ट है कि जिन छात्राध्यापिकाओं मे आत्मविश्वासी, शात, प्रसन्नचित्त, गभीर, निश्चिन्त, सुरक्षित, निर्मल, सतुष्ट (O-) गुण पाये गये उनमे व्याख्या कौशल का विकास ज्यादा पाया गया तथा जिन छात्राध्यापिकाओं मे आत्म सतुष्टता, स्वय के निर्णय पर विश्वास, उपाय कुशल, आत्म निर्भरता का गुण (Q_2+) पाया गया उनमे व्याख्या कौशल का विकास ज्यादा पाया गया ।

मैकलिन ने (1968) मे अपने अध्ययन मे O को धनात्मक रूप से कौशल विकास के साथ सहसबंधित पाया ।

दुबे (1984) ने अपने अध्ययन मे O को कौशल विकास के साथ त्रणात्मक रूप से सहसबंधित पाया । प्रस्तुत अध्ययन मे भी O को व्याख्या कौशल विकास के साथ त्रणात्मक रूप से सहसबंधित पाया गया ।

प्रस्तुत अध्ययन मे Q2 को व्याख्या कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया गया । मैकलिन ने छात्राध्यापिकाओं के कौशल विकास के साथ Q_2 को त्रणात्मक रूप से सहसबंधित पाया तथा छात्राध्यापकों के कौशल विकास के साथ Q_2 धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया ।

दुबे (1984) ने भी अपने अध्ययन मे Q_2 को कौशल विकास के साथ त्रणात्मक रूप से सहसबंधित पाया ।

तालिका - 4.3

छात्राध्यापिकाओं मे व्यक्तित्व विशेषक एव दृष्टात कौशल विकास के मध्य गुणक सहसबध -

N = 50

व्यक्तित्व विशेषक	दृष्टात कौशल
A	0.3156 **
B	-0.2381 *
C	-0.1153
E	0.0767
F	-0.0622
G	-0.1096
H	0.0716
I	-0.1351
L	0.1022
M	0.0450
N	0.0594
O	0.2552 *
Q1	0.2138 *
Q2	0.3136 **
Q3	-0.1022
Q4	-0.2890 *

** = 01 स्तर पर सार्थकता की विश्वसनीयता = 3

* = 05 स्तर पर सार्थकता की विश्वसनीयता = 2

तालिका 4.3 से स्पष्ट होता है कि कारक A,E,H,L,M,N,O,Q1,Q2 दृष्टात कौशल(Illustration skill) विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित है तथा कारक B,C,F,G,I,Q2,Q3 दृष्टात कौशल विकास के साथ त्रणात्मक रूप से सहसबंधित है ।

यहा पर धनात्मक का अर्थ उच्च गणना का वर्णन तथा ऋणात्मक का अर्थ निम्न गणना का वर्णन है जिसका वर्णन तालिका 3 मे दिया जा चुका है ।

इन गुणक सहसबधो मे सार्थकता का स्तर ज्ञात करने पर स्पष्ट होता है कि कारक A+(.31) O+(.25) Q1+(.21) Q2(.31)सार्थक रूप से दृष्टात कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित है । तथा कारक B-(r=.23)Q4-(.28) त्रणात्मक रूप से दृष्टात कौशल के साथ सहसबंधित है ।

अत स्पष्ट है कि जिन छात्राध्यापिकओ मे उत्साही मिलनसार, प्रसन्न चित्त, सरलता से दूसरों के साथ सामंजस्य स्थापित करने वाली, सहयोग करने वाली (A+) तथा बद्विमान, विचारवान, शक्तिशाली, सघर्षशील, चिन्तित, मूड पर निर्भर, आसानी से स्पर्शी(O+) तथा दानी दयालु, पक्षपातहीन, स्वतत्र चिन्तन, विश्लेषणात्मक, परम्पराओ व रूढियो से अप्रभावित (Q1+)तथा आत्म सतुष्ट, स्वयं के निर्णय पर विश्वास, उपाय कुशल, आत्म निर्भरता (Q2+)का गुण पाया गया उनमे दृष्टात कौशल (Illustration Skill) का विकास ज्यादा पाया गया । तथा जिन छात्राध्यापिकाओं मे कम बुद्वि व कम मानसिक क्षमता होते हुये भी लगातार काम करने की रूचि हो तथा मूर्त चिन्तन (B-)एवं धैर्यशील, हताश नहीं होने वाले, निश्चल, निश्चिन्त, चेतना शून्य, शात (Q4+)गुण पाये गये उनमे दृष्टात कौशल का विकास ज्यादा पाया गया ।

ब्रामले (1965) ने अपने अध्ययन मे A कारक को कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सह सबंधित पाया । दुबे (1984) ने अपने अध्ययन मे A कारक को कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया । प्रस्तुत अध्ययन मे A को दृष्टातॉके विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया गया ।

मैकलिन ने 1968 मे अपने अध्ययन मे 0 को धनात्मक रूप से कौशल विकास के साथ सहसबंधित पाया । दुबे ने (1984) मे अपने अध्ययन मे 0 को कौशल विकास के साथ ऋणात्मक रूप से सहसबंधित पाया । प्रस्तुत अध्ययन मे 0 को दृष्टात कौशल के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया गया ।

मैकलिन ने (1968) मे अपने अध्ययन मे अमेरिका मे Q1 को कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया । ब्रिटेन मे एक अध्ययन मे (1966, 1968) मे माध्यमिक विद्यालयो मे Q1 को कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया । कैटल (1970) ने लिखा है कि Q1 धनात्मक रूप से सहसबंधित है एक्जीक्यूटिव, यूनिवर्सिटी प्रोफेसर्स एव साइंटीफिक रिसर्चस के साथ एव ऋणात्मक ढंग से सह सबधित है । नर्सेस, सेमीस्किल्ड वर्क ग्रुप के साथ। प्रस्तुत अध्ययन मे Q1 को दृष्टात कौशल के विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसंबंधित पाया गया ।

मैकलिन (1968) ने अपने अध्ययन मे छात्राध्यापिकाओ के कौशल विकास के साथ Q2 को ऋणात्मक रूप से सहसबंधित पाया पर छात्र अध्यापकों के कौशल विकास के साथQ2 धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया गया । दुबे (1984) ने अपने अध्ययन मे Q2 को ऋणात्मक रूप से सहसबंधित पाया । पर प्रस्तुत अध्ययन मे Q2 दृष्टात कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित है ।

इसका कारण यह हो सकता है कि दुबे ने उच्च एव निम्न बुद्विलब्धि वाले शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों पर अलग अलग अध्ययन किया ।

ब्रामले (1965) ने कारक B को शिक्षण प्रभावशीलता के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया । दुबे (1984) ने भी अपने अध्ययन मे B को कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया । सक्सेना (1990) ने अपने शोध मे B को भौगोलिक कौशल विकास के साथ ऋणात्मक रूप से सहसबंधित पाया । प्रस्तुत अध्ययन मे B को दृष्टात कौशल विकास के साथ ऋणात्मक रूप से सहसबंधित पाया गया ।

मैकलिन (1968) ने अपने अध्ययन मे Q4 को शिक्षक प्रशिक्षणार्थियो के कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया । दुबे (1984) ने अपने अध्ययन मे Q4 को छात्र अध्यापको के कौशल विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित पाया । परन्तु छात्राध्यापिकाओं के कौशल विकास के साथ ऋणात्मक रूप से सहसबंधित पाया । प्रस्तुत अध्ययन मे भी Q4 को छात्राध्यापिकाओ के दृष्टात कौशल विकास के साथ ऋणात्मक रूप से सहसबंधित पाया ।

तालिका - 4.4

छात्राध्यापिकाओं मे व्यक्तित्व विशेषक एव उद्दीपन परिवर्तन कौशल विकास के मध्य गुणक सहसबध ।

N = 50

व्यक्तित्व विशेषक	उद्दीपन परिवर्तन कौशल
A	- 0.0170
B	0.0454
C	- 0.2150 *
E	0.0985
F	- 0.095
G	- 0.0032
H	- 0.0944
I	0.1179
L	- 0.0320
M	0.0982
N	- 0.1297
O	- 0.0867
Q1	0.0826
Q2	- 0.0765
Q3	- 0.1207
Q4	0.1648

* = 05 स्तर पर सार्थकता की विश्वसनीयता = 2

तालिका 4 4 से स्पष्ट होता है कि कारक B,E,I,M,Q1,Q4, उद्दीपन परिवर्तन कौशल(Stimulus Variation Skill) विकास के साथ धनात्मक रूप से सहसबंधित है तथा कारक A,C,F,G,H,L,N,O,Q2,Q3 ऋणात्मक रूप से उद्दीपन परिवर्तन कौशल के विकास के साथ सहसंबंधित है ।

05 सार्थकता के स्तर के अनुसार कारकC-(r. 21ऋणात्मक रूप से उद्दीपन परिवर्तन कौशल विकास के साथ सहसबंधित है ।

अत स्पष्ट है कि जिन छात्राध्यापिकाओं मे भावुकता, परिवर्तनशीलता, सवेगात्मकता, रूचियों व दृष्टिकोण मे परिवर्तन (C-) गुण पाये गये उनमे उद्दीपन परिवर्तन कौशल का विकास ज्यादा पाया गया ।

धनात्मक रूप से कोई भी कारक सार्थकता की विश्वसनीयता नहीं लिए हुए है ।

सार्थकता की विश्वसनीयता न धारण करने पर भी जिन छात्राध्यापिकाओं मे भावुकता, कोमलस्व भाव, सवेदनशीलता, चुलबुलापन, आशानुरूप व्यवहार, ध्यान सावधानी, हमेशा साथ देना, दयालु सज्जन, कलाकारी, प्रभावी, नाटकीय (I+) तथा कुटिल, प्रेरित करना, उत्तेजित करना, व्यग ताना देना (Q4+) गुण पाया गया उनमे भी उद्दीपन परिवर्तन कौशल का विकास सभावित होगा ।

ब्रामले (1965) एव मैकलिन (1968) ने अपने अध्ययन मे C कारक को धनात्मक रूप से शिक्षण प्रभावशीलता के साथ सहसबंधित पाया ।

दुबे (1984) ने अपने अध्ययन मे उच्च बुद्वि वाले प्रशिक्षणार्थियों के साथ C को धनात्मक रूप से सहसंबंधित पाया । प्रस्तुत अध्ययन मे C को उद्दीपन परिवर्तन कौशल विकास के साथ ऋणात्मक रूप से सहसबंधित पाया गया ।

इस विभिन्नता का कारण न्यादर्श के विभिन्न सास्कृतिक परिप्रेक्ष्य एव लिग भेद हो सकता है ।